

Total Pages : 4

K-1137

M.A. (Final) Examination, 2022

HISTORY

(History of Maratha 1647-1761)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 100

Minimum Passing Marks : 36

Note : Attempt **any five** questions. All questions carry equal marks.

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. Discuss the factors responsible for the rise of Maratha power during 17th Century.

सत्रहवीं शताब्दी में मराठा शक्ति के उत्थान के लिए उत्तरदायी कारकों की विवेचना कीजिए।

K-1137/1000

(1)

[P.T.O.]

2. Critically analyse the Treaty of Purandar and its consequences.

पुरन्दर की संधि तथा उसके परिणामों का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।

3. Evaluate the early conquests of Shivaji from 1647 to 1663 A.D.

1647-1663 ई. तक शिवाजी की प्रारम्भिक विजयों की समीक्षा कीजिए।

4. Explain the constitution of Shivaji Astha Pradhan Council. What were its main functions?

शिवाजी की अष्ट प्रधान समिति के विधान को स्पष्ट कीजिए। इसके प्रमुख कार्य क्या थे?

5. What was the utility of the coronation of Shivaji?

शिवाजी के राज्यारोहण की क्या उपयोगिता थी?

6. Discuss the Maratha war of independence after the death of Shambhaji.

शम्भाजी की मृत्यु के पश्चात् मराठों के स्वतन्त्रता संग्राम की विवेचना कीजिए।

7. Evaluate the achievements of Balaji Vishwanath and critically examine his place in Maratha history.

बालाजी विश्वनाथ की सफलताओं का मूल्यांकन कीजिए तथा मराठा इतिहास में उनका स्थान निर्धारित कीजिए।

8. Give an account of Maratha policies towards Rajput states from 1707-1761 A.D.

1707 से 1761 ई. तक मराठों की राजपूत राज्यों के प्रति अपनाई गई नीतियों का विवरण दीजिए।

9. “Peshwa Bajirao-I was the second founder of the Maratha empire.” Elucidate.

“पेशवा बाजीराव प्रथम मराठा साम्राज्य का द्वितीय संस्थापक था।” स्पष्ट कीजिए।

10. Write short notes on **any two** of the following :

निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(a) Tarabai

ताराबाई

(b) Post of Peshwa

पेशवा का पद

(c) Raja Jai Singh

राजा जय सिंह

(d) Jijabai

जीजाबाई

---X---